NBT PAGE 3 & 4

...क्यों महात्मा गांधी एलयू में नाराज हुए थे

लखनवी पन्ने

रवि भट्ट

सन् 1864 में लॉर्ड केनिंग की याद में खोला गया एक छोटा स्कूल वर्ष 1920 में लखनऊ विश्वविद्यालय वन गया। इस विश्वविद्यालय के 100 वरस के गौरवमय इतिहास से सभी परिचित हैं, लेकिन यहां के छात्र संघ का रचनात्मक इतिहास अनछुआ रह जाता है।

छात्र संघ के शुरुआती दौर में खासकर आजादी के पहले सकारात्मक सामाजिक वदलाव के पक्षधर सक्रिय छात्र इससे खुद व खुद जुड़ते जाते थे। छात्र संघ के महत्व का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि विश्वविद्यालय के वाहर के किसी जाने-माने व्यक्ति को छात्र संघ का 'ऑनरेरी मेंवर' वनने का आमंत्रण देना और उसके द्वारा स्वीकार किया जाना दोनों के लिए सम्मान का विषय होता था। देश की कई महान विभूतियां अपने समय में लखनऊ विश्वविद्यालय छात्र संघ की 'ऑनरेरी मेंवर' रह चुकी हैं। इनमें भारत के प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू, मोरारजी देसाई, इंदिरा गांधी, वीपी सिंह, प्रसिद्ध गांधीवादी अब्दुल गफ्फार खां, जय प्रकाश नारायण और भूतपूर्व सेनाध्यक्ष पद्म भूषण गोपाल गुरुनाथ वेवूर प्रमुख हैं। जिन्होंने वांग्लादेश के युद्ध में निर्णायक भूमिका निभाई थी।

उस समय विवि प्रशासन और छात्र संघ में टकराव कम और सहयोग की भावना अधिक थी। यही कारण था कि नेताजी सुभाष चंद्र वोस, गुरु रविंद्रनाथ टैगोर जैसी हस्तियों को लखनऊ विवि में आमंत्रित किया जाता था। इन कारणों से छात्रों का वौद्धिक, कलात्मक और साहित्यिक स्तर इतना ऊंचा था कि विश्वविद्यालय के कार्यक्रमों में केवल स्तरीय कलाकार या साहित्यकार तारीफ पाते थे। कहा तो यहां तक जाता है कि सन् 1948 के आसपास जव कवि हरिवंश राय वच्चन ने अपनी मधुशाला विश्वविद्यालय के एक कार्यक्रम में जाकर सुनाई तो छात्रों ने यह कहकर उसकी उपेक्षा कर दी कि यह अच्छा संगीत तो हो सकती है पर कालजयी रचना नहीं।

इसी सृजनात्मक और रचनात्मक परंपरा के अंतर्गत 27 सितंवर 1929 को छात्र संघ के उद्घाटन के लिए महात्मा गांधी को विश्वविद्यालय आमंत्रित किया गया। भारत की आजादी से पूर्व का समय था, अतः अध्यापक और छात्र दोनों ही इस कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साहित थे। कार्यक्रम के दिन विश्वविद्यालय का मालवीय हॉल जिसे उस समय वेनेट हॉल कहा जाता था (यह नाम ब्रिटिश अधिकारी के नाम पर पड़ा था) खचाखच भरा था। गांधीजी ने जव वहां पहुंचकर अपना स्थान ग्रहण किया तो छात्रों ने उनका स्वागत अंग्रेजी भाषणों द्वारा किया। यह वात गांधीजी को वहुत वुरी लगी और जव उनके वोलने का अवसर आया तो गांधीजी ने खुलकर अपनी नाराजगी प्रकट करते हुए कार्यक्रम के वाद छात्रों से कहा कि मुझे इस वात का अफसोस है कि मेरा स्वागत हिंदुस्तानी के वजाए अंग्रेजी में हुआ। गांधीजी ने उन लोगों की भर्त्सना की जो अपनी मातृ भाषा को छोड़कर विदेशियों की भाषा के पक्षधर और प्रशासक हैं।

काश ! गांधीजी की वात को आज का भारत समझ पाता और अपना वहुमूल्य समय व श्रम केवल एक भाषा को सीखने में वर्वाद न करता। क्योंकि भाषा मात्र माध्यम है ज्ञान नहीं।

(रवि भट्ट 'द लाइफ ऐंड टाइम्स ऑफ नवाब्स ऑफ लखनऊ' के लेखक हैं।)

एलयू में शुरू हो सकती हैं ऑड-इवन क्लास

■ **एनबीटी, लखनऊः** शासन के दिशा निर्देश के वाद एलयू में ऑफलाइन क्लासेज को लेकर तैयारियां हो रही हैं। दो दिसंवर को ऑफलाइन क्लासेज के संचालन को लेकर कुलपति की अध्यक्षता में वैठक की वुलाई गई है। वता दें कि ऑड-इवन के फॉर्मूले पर ऑफलाइन क्लासेज संचालित करने पर एलयू में रणनीति वनाई जा रही है।

दो को बैठक में तय होगी रणनीति, रोल नंबर के हिसाब से बुलाए जाएंगे स्टूडेंट

एलयू के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने वताया कि दो दिसंवर की वैठक में निर्णय लिया जाएगा कि क्लासेस का संचालन किस तरीके से करना है। हालांकि शासन के दिशा निर्देशों को देखते हुए 50 प्रतिशत स्टूडेंट्स को कैंपस वुलाने पर ही कार्य किया जाएगा। फिलहाल विवि के सूत्रों का कहना है कि एलयू रोल नंवर के हिसाव से स्टूडेंट्स को वुलाने कि योजना वना रहा है जिसमें अगर एक स्टूडेंट्स सोमवार को आता है तो वह अपना अगला टर्न आने पर ही विवि में ऑफलाइन क्लास के लिए आ पाएगा।

JAGRAN CITY PAGE IV

बीएड काउंसिलिंग : दूसरे चरण का परिणाम घोषित

लविवि द्वारा अगस्त में आयोजित उप्र संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-21 की मुख्य काउंसिलिंग के द्वितीय चरण (स्टेट रैंक 50,001 से 1,40,000 तक) के सीट आवंटन का परिणाम रविवार को जारी कर दिया गया। परीक्षा की राज्य समंवयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि 34,673 अभ्यर्थी काउंसिलिंग में शामिल हुए थे। इनमें से 32,535 अभ्यर्थियों को बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुईं। सामान्य श्रेणी की 31,098, अन्य पिछडा वर्ग की 21, अनुसूचित जाति/जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 व आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के 269 अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुई हैं। मुख्य काउंसिलिंग के तीसरे चरण के लिए (स्टेट रैंक 1,40,001 से 2,40,000 तक) आनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी रविवार से शुरू कर दी गई है। प्रो. बाजपेयी ने अभ्यर्थियों से अपील की है कि वे वेबसाइट पर उपलब्ध महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें। साथ ही यह भी सुझाव है कि वे अपने द्वारा चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लाक करने के पूर्व उन पर एक बार पुन: विचार कर लें, जिससे उन्हें अपने आवंटित महाविद्यालय को लेकर, उनके निवास से दूरी आदि की समस्याओं का सामना न करना पड़े।

AMRIT VICHAR PAGE 3

बीएड प्रवेश | 1 लाख 40 हजार 1 से 2 लाख 40 हजार तक सीटों पर एडमिशन के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

द्वितीय चरण का सीट आवंटन परिणाम जारी

अमृत विचार, लखनऊ

संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-2 2 की मुख्य काउंसिलिंग के द्वितीय के तहत स्टेट रैंक 50 हजार 1 से 1 लाख 40 हजार तक की सीट आवंटन का परिणाम रविवार को जारी कर दिया गया है। बीते अगस्त माह में लखनऊ विश्वविद्यालय की ओर से संयुक्त प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया था। दूसरे चरण के परिणाम में कुल 34 हजार 673 अभ्यर्थियों ने काउंसिलिंग में प्रतिभाग किया था, इनमें से 32 हजार 535 अभ्यर्थियों को उनके वांछित बी एड महाविद्यालयों में सीट आवंटित हुई। इसमें सामान्य श्रेणी की 31 हजार 098, अन्य पिछडा वर्ग की 21, अनुसूचितजाति/ जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 व आर्थिक रुप से पिछडा. वर्ग (ई डब्लयूएस) के 269 अभ्यर्थियों को अलग—अलग बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुईं।

तीसरे चरण के लिए शुरू हुई रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया

वहीं मुख्य काउन्सिलिंग के तीसरे चरण के लिए स्टेट रैंक 1 लाख 40 हजार 1 से लेकर 2 लाख 40 हजार तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया भी रविवार से शुरू हो गयी। इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि अभ्यर्थी जितनी जल्दी हो सके रजिस्ट्रेशन करवा लें।

अभ्यर्थी महाविद्यालयों का नोट कर लें कोड

संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-22 की समन्वयक प्रोफेसर अमिता बाजपेयी ने बताया कि अभ्यर्थियों को पुन: परामर्श दिया है कि व 'च्वाइस-फिलिंग' प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें ताकि उन्हें अपनी रूचि के क्रम में अधिकाधिक संख्या में भरें जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकें। उन्होंने अभ्यर्थियो के लिए सुझाव दिया कि व अपने द्वारा चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लॉक करने के पूर्व उन पर एक बार पुन: विचार कर लें, जिससे उन्हें अपने आवंटित महाविद्यालय की, उनके निवास से दूरी आदि अन्य समस्याओं का सामना न करना पडे।

HINDUSTAN PAGE 6

गुरुजी ने पीठ पीछे तारीफ की तो लगा सब जीत लिया

बात 1964 की है। उस समय एमए करके पीएचडी शुरू हो गई थी। पहले ही साल एक पेपर लिखा। उस समय ऑक्सफोर्ड से एक मैग्जीन निकला करती थी माइंड। इसमें पेपर प्रकाशित होने में सालो लग जाते थे। लाइन लगी होती थी। लेकिन मेरे पेपर को इसमें जगह मिल गई।

इतना ही नहीं, उस मैग्जीन के सम्पादक जो उस जमाने के जाने माने दार्शनिक थे, उनका हाथ से लिखा हुआ एक पत्र भी आया। उसकी खूब चर्चा हुई। इसी बीच मुझे शांति निकेतन में हो रहे एक कार्यक्रम में बुलाया गया।

प्रो. राज नारायण विभागाध्यक्ष थे। जैसे एक छोटी बच्ची को ले जाया जाता है वो हमें ट्रेन से लेकर वहां पहुंचे। वहां हमने पेपर प्रस्तुत किया। लोगों ने खूब तारीफ की। मैं सिर्फ प्रो. राज नारायण की ओर देख रही थी। वो कुछ नहीं बोले। दिल में घबराहट शुरू हो गई। लगा कि सबकुछ गड़बड़ हो गया। ट्रेन में वो बार-बार कह रहे थे...चलो जो हुआ निपट गया। अभी और सीखना है। यह सुनकर मैं और परेशान हो गई।

प्रो. रूपरेखा वर्मा

लेकिन जब हम विश्वविद्यालय लौटे तो यहां उन्होंने विभाग में खूब तारीफ की। बात में जब मुझे पता चला तो जान में जान आई।

1959 में महिला कॉलेज में बीए में प्रवेश लिया था। उस समय परीक्षा विवि में ही होती थी। बीए में जब भी विश्वविद्यालय आती तो यहां पढ़ने की चाह रहती। यह सपना 1961 में पूरा हुआ। उस समय टैगोर लाइब्रेरी रात आठ बजे तक खुली रहती थी। यहां का रीडिंग रूम दिन में भरा रहता था। हम लोग शाम को चार बजे तक आते। उस समय डे स्कॉलर चले जाते थे। रात आठ बजे घंटी बजने पर ही उठा करते थे। ये यादें आज भी मेरे जहन में ताजा हैं।

- प्रो. वर्मा लखनऊ विश्वविद्यालय की पूर्व कुलपति रही हैं।

बीएड काउंसलिंग: दूसरे चरण में 33 हजार को सीटें

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

बीएड की काउंसलिंग के दूसरे चरण के नतीजे रविवार को जारी कर दिए गए। 32,535 अभ्यर्थियों को सीट बांटी गई हैं। तीसरे चरण की काउंसलिंग के लिए पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू हो गई है।

राज्य समन्वयक प्रो. अमिता बाजपेयी ने बताया कि दूसरे चरण में कुल 34,673 अभ्यार्थियों ने काउंसलिंग में हिस्सा लिया। इनमें, 32,535 अभ्यर्थियों को सीट आवंटित की गई। सामान्य श्रेणी की 31,098, अन्य पिछड़ा वर्ग की 21, अनुसूचित जाति/जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 और आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग के 269 अभ्यर्थी शामिल हैं। बीएड काउंसलिंग के दो चरणों में 1.40 लाख रैंक तक के अभ्यर्थियों को बुलाया गया है। पहले चरण में करीब 22 हजार को सीट आवंटित की गई। ऐसे में बड़ी संख्या में सीटें खाली रहने की आशंका है।

RASHTRIYA SAHARA PAGE 5

शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यशाला का समापन

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विधि संकाय द्वारा आयोजित किये जा रहे द्वि-दिवसीय कार्यशाला का समापन हो गया। कार्यक्रम को लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित हुआ। इस द्वि-दिवसीय कार्यशाला का विषय 'भारत में नूतन न्याय प्रणाली के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण का उद्भव : भविष्य के अवसर और चुनौतियां' था। इस कार्यशाला में 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य मध्यस्थता न्यायाधिकरण के बारे में चेतनता को विकसित करना था। कार्यशाला के वक्ताओं में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति कौशल जयेंद्र, पद्मश्री से सम्मानित भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता डा. रोमेश गौतम, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता मारगुब कबीर, ट्विनवुड लॉ प्रैक्टिस लिमिटेड, बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम से सम्बद्ध हरजोत सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्बिट्रेशन एंड मिडिएशन, नई दिल्ली, की डायरेक्टर इरम माजीद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष मेहरोत्रा एवं विक्टोरिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहे तथा लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर पंचऋषि देव शर्मा थे।

बीएड संयुक्त काउंसिलिंग के द्वितीय चरण के सीट आवंटन का परिणाम घोषित

लखनऊ (एसएनबी)। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विगत अगस्त माह में आयोजित की गयी उप्र संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-22 की मुख्य काउन्सिलिंग के द्वितीय चरण (स्टेट रैंक 50,001 से 1,40,000 तक) के सीट आबंटन का परिणाम रविवार को घोषित किया गया। इस चरण में कुल 34,673 अभ्यर्थियों ने काउन्सिलिंग में प्रतिभाग किया। इनमें से 32,535 अभ्यर्थियों को उनके वांछित बीएड महाविद्यालयों में सीट आबंटित हुई। इसमें सामान्य श्रेणी की 31,098 अन्य पिछड़ा वर्ग की 21 अनुसूचितजाति/ जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 व आर्थिक रूप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 269 अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में सीटें आबंटित हुईं। मुख्य काउन्सिलिंग के तृतीय चरण के लिए (स्टेट रैंक 1,40,001 से 2,40,000 तक) ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी आज से प्रारम्भ हो गयी है। राज्य-समन्वयक, संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड-2020-22 ने अभ्यर्थियों को पुनः परामर्श दिया है कि वे च्वाइस-फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें तथा उन्हें अपनी रूचि के क्रम में अधिकाधिक संख्या में भरें, जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकें। समन्वयक ने यह सुझाव भी दिया है कि वे अपने द्वारा चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लॉक करने के पूर्व उन पर एक बार पुनः विचार कर लें, जिससे उन्हें अपने आवंटित महाविद्यालय की उनके निवास से दूरी आदि अन्य समस्याओं का सामना न करना पड़े।

ई-कोफास में दिखा वैज्ञानिक ज्ञान व कलात्मक प्रतिभा का नजारा

लखनऊ (एसएनबी)। सिटी माण्टेसरी स्कूल, राजेन्द्र नगर (प्रथम शाखा) द्वारा ऑनलाइन आयोजित चार दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय कम्प्यूटर ओलम्पियाड 'ई-कोफास-2020' में रविवार को तीसरे दिन वैज्ञानिक ज्ञान व कलात्मक प्रतिभा का नजारा दिखा। इस दौरान रूस, जार्डन, बांग्लादेश, ओमान, कतर व भारत के प्रतिभागी छात्रों ने आज रेन्डीशन (पेपर प्रजेन्टेशन), ई-कोफास डूडल एवं कॉस्टेक (कोरियोग्राफी) प्रतियोगिताओं में अपने कम्प्यूटर ज्ञान का परचम लहराया, साथ ही कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन भी किया।

PIONEER PAGE 3

दूसरे चरण की बीएड काउंसिलिंग में 32,535 अभ्यर्थियों को मिला मनमाफिक प्रवेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश भर में बीएड कक्षाओं में दाखिले को लेकर चल रही उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश प्रक्रिया के दूसरे चरण (स्टेट रैंक 50,001 से 1,40,000 तक) के सीट आवंटन का परिणाम रविवार को घोषित किया गया। इस चरण में कुल 34,673 अभ्यर्थियों ने काउन्सिलिंग में प्रतिभाग किया। इनमें से 32,535 अभ्यर्थियों को उनके वांछित बीएड महाविद्यालयों में सीट आवंटित हुई हैं। इसमें सामान्य श्रेणी की 31,098, अन्य पिछड़ा वर्ग की 21, अनुसूचितजाति-जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 व आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग के 269 अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुईं हैं। बीएड प्रवेश प्रक्रिया की राज्य समन्वयक डॉ. अमिता बाजपेयी ने बताया कि मुख्य काउन्सिलिंग के तृतीय चरण हेतु ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी आज से प्रारम्भ हो गयी है। प्रो अमिता बाजपेयी ने अभ्यर्थियों को पुनः परामर्श दिया है कि वे च्वाइस फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें तथा उन्हें अपनी रुचि के क्रम में अधिकाधिक संख्या में भरें जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकें।

VISHWAVARTA PAGE 5

लविवि में मध्यस्थता पर कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विधि संकाय द्वारा आयोजित द्वि-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला रविवार को सम्पन्न हो गई। इस कार्यक्रम को लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। इस द्वि-दिवसीय कार्यशाला का विषय 'भारत में नूतन न्याय प्रणाली के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण का उद्भवः भविष्य के अवसर और चुनौतियां' था। इस कार्यशाला में 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य मध्यस्थता न्यायाधिकरण के बारे में चेतनता को विकसित करना था।

वक्ताओं में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति और पद्मश्री से सम्मानित कौशल जयेंद्र, भारतीय सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता डॉ. रोमेश गौतम, बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के अधिवक्ता मारगुब कबीर और ट्विनवुड लॉ प्रैक्टिस लिमिटेड, बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम से सम्बद्ध हरजोत सिंह, इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ आर्बिट्रेशन एंड मिडिएशन, नई दिल्ली की डायरेक्टर इरम माजीद, इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष मेहरोत्रा एवं विक्टोरिया यूनिवर्सिटी से पीएचडी कर रहे और लखनऊ विश्वविद्यालय के असिस्टेंट प्रोफेसर पंचऋषि देव शर्मा थे। प्रथम तीन वक्ताओं ने अपने विचारों को इस आयोजन के प्रथम दिन रखा था। आज के दिन अंतिम चार वक्ताओं ने अपनी बात को रखी।

SAMRIDDHI NEWS PAGE 3

विधि संकाय की दो दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

लखनऊ, समृद्धि न्यूज।

लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में विधि संकाय द्वारा आयोजित किये जा रहे दो-दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला का रविवार को समापन हो गया।

इस कार्यक्रम को लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया। इस दो-दिवसीय कार्यशाला का विषय भारत में नूतन न्याय प्रणाली के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता न्यायाधिकरण का उद्भवरू भविष्य के अवसर और चुनौतियां था। इस कार्यशाला में 200 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य मध्यस्थता न्यायाधिकरण के बारे में चेतनता को विकसित करना था। कार्यक्रम की शुरुआत विधि संकाय के प्रमुख एवं संकायाध्यक्ष प्रोफेसर सीपी सिंह के अभिभाषण से हुई। उन्होंने वक्ताओं का परिचय कराया तथा कार्यक्रम की भूमिका रखी।

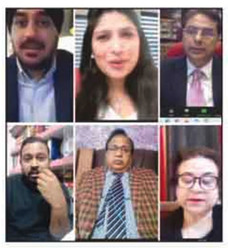

सर्वप्रथम ट्विनवुड लॉ प्रैक्टिस लिमिटेड, बर्मिंघम, यूनाइटेड किंगडम से सम्बद्ध हरजोत सिंह ने बताया कि भारत वैश्विक गांव है। भारत आज मध्यस्थता के क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में अपना स्थान सुनिश्चित कर रहा है। उन्होंने प्रतिभागियों का ध्यान वर्तमान की घटनाओं पर केंद्रित किया। उन्होंने संदीप कुमार केस और भारत में आठवीं अनुसूची में हुए परिवर्तन पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने अश्विनी मिंडा के केस का उदाहरण देते हुए आपातकाल मध्यस्थता ट्रिब्यूनल के विषय पर प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इसके पश्चात इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ खंडपीठ के वरिष्ठ अधिवक्ता मनीष मेहरोत्रा जी ने बताया कि वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) और न्यायालयों में गहरा संबंध है।

उन्होंने बताया कि हमें भारत को वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) के हब के रूप में विकसित करने में एकरूपता दिखानी चाहिए। उन्होंने भारत के मध्यस्थता के इतिहास को परिलक्षित करते हुए बताया कि भारत अवश्य ही निकट भविष्य में वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) में वैश्विक अग्रणी देश के रूप में उभरेगा। लखनऊ विश्वविद्यालय मूट कोर्ट एसोसिएशन के विद्यार्थी संयोजक निशांत वीर सिंह द्वारा कार्यक्रम का समापन उद्बोधन दिया गया।

बीएड काउंसिलिंगः दूसरे चरण के सीट आवंटन का परिणाम घोषित

लखनऊ, समृद्धि न्यूज

लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा विगत अगस्त माह में आयोजित की गयी उत्तर प्रदेश संयुक्त प्रवेश-परीक्षा बीएड 2020-22 की मुख्य काउन्सिलिंग के दूसरे चरण (स्टेट रैंक 50,001 से 1,40,000 तक) के सीट आबंटन का परिणाम रविवार को घोषित किया गया। इस चरण में कुल 34,673 अभ्यर्थियों ने काउन्सिलिंग में प्रतिभाग किया। इनमें से 32ए535 अभ्यर्थियों को उनके वांछित बीएड महाविद्यालयों में सीट आवंटित हुई। इसमें सामान्य श्रेणी की 31ए098ए अन्य पिछडा वर्ग की 21ए अनुसूचितजाति.जनजाति की 351, अन्य राज्यों के 796 व आर्थिक रुप से पिछड़ा वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के 269 अभ्यर्थियों को विभिन्न बीएड महाविद्यालयों में सीटें आवंटित हुई। मुख्य काउन्सिलिंग के तृतीय चरण हेतु (स्टेट रैंक 1,40,001 से 2,40,000 तक) ऑनलाइन पंजीकरण की प्रक्रिया भी रविवार से प्रारम्भ हो गयी है।

प्रो. अमिता बाजपेयी ने अभ्यर्थियों को पुनः परामर्श दिया है कि वे वाइस-फिलिंग प्रक्रिया में महाविद्यालय चयन के पूर्व वेबसाइट पर उपलब्ध महाविद्यालयों की सूची से अपनी पसंद के महाविद्यालयों के कोड नोट कर लें तथा उन्हें अपनी रूचि के क्रम में अधिकाधिक संख्या में भरें जिससे वे अपनी पसंद के बीएड महाविद्यालय में प्रवेश प्राप्त कर सकें। साथ ही यह भी सुझाव है कि वे अपने द्वारा चयनित बीएड महाविद्यालयों के विकल्पों को अंतिम रूप से लॉक करने के पूर्व उन पर एक बार पुनः विचार कर लेंए जिससे उन्हें अपने आवंटित महाविद्यालय कीए उनके निवास से दूरी आदि अन्य समस्याओं का सामना न करना पड़े।